























## श्रीरामशरणम् मनाली - एक ऐतिहासिक विवरण

(‘श्रीरामशरणम् : एक ऐतिहासिक विवरण’ के अन्तर्गत लेखों की अगली कड़ी)



श्री रामशरणम् परमात्मा ‘श्री राम’ का आयतन । भक्ति, प्रेम, शान्ति एवं शरणागति का पवित्र मन्दिर । आध्यात्मिक उन्नति के लिए अद्वितीय संस्थापन, श्रद्धेय डॉ. विश्वामित्र जी महाराज की तपोभूमि यह तीर्थ स्थली श्री रामशरणम् मनाली है ।

ऑल इंडिया इन्सटीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसिस दिल्ली में 22 वर्ष की गौरवशाली सेवा के उपरान्त भगवद्प्रेरित उत्कंठ इच्छा से 30 अप्रैल 1988 को पूर्व निवृत्त हो, श्री महाराज जी मनाली की ओर उन्मुख हुए । मनाली का आध्यात्मिक रूपान्तरण का समय उदय हो गया । 6 मई 1988 को गुरुदेव ने मनाली की भूमि पर पग धरे । साढ़े पाँच वर्ष की साधना, तप, त्याग का अधिकांश समय लॉग हट परिसर स्थित एक मिट्टी से पोती हुई छोटी सी कुटिया में व्यतीत हुआ, जिसमें महाराज जी की ऊँचाई भर जितना स्थान था । तब से आज तक मनाली, लाहौल व आसपास के हज़ारों साधक राम—नाम की उपासना से लाभान्वित हो रहे हैं । मानव सेवा एवं मानव कल्याण महाराज जी के व्यक्तित्व का महत्वशाली अंग था । 1990 से “दवाई वाले

बाबा” के नाम से प्रसिद्ध हो गए । निःशुल्क दवाईयाँ बाँटते और मामी जी तथा अन्य लोगों के साथ अमृतवाणी का पाठ करने लगे और इस प्रकार सत्संग का शुभारम्भ हुआ । श्रीमति रुल्दी देवी ‘मामी’ ने माँ की भान्ति साधनकाल में पूज्य गुरुदेव की सेवा का पुण्य लाभ लिया । पूज्य महाराज श्री ने उनको माँ की पदवी से सम्मानित किया ।

इसके उपरान्त पूज्य महाराज श्री लोगों को साथ बिठा कर शुरू—शुरू में भजन पाठ कुटिया में किया करते थे । कुछ समय पश्चात श्री अमृतवाणी का पुण्य पाठ भी कुटिया में किया जाने लगा जिसमें महाराज श्री स्वयं “सर्वशक्तिमते परमात्मने श्री रामायः नमः” से शुरू करके बिना ढोलक बाजे के सिर्फ तालियों के साथ श्री अमृतवाणी का पुण्य पाठ किया करते थे । जिसमें महाराज श्री स्वयं मंजीरा बजाते थे और स्वयं रोज़ एक भजन भी गाते थे और लोगों को राम नाम की महिमा से अवगत कराते हुए राम रंग में रंगना शुरू किया । पूज्य महाराज श्री की साधना से लोग प्रभावित होते गए और धीरे—धीरे साधकों की संख्या बढ़नी शुरू हुई

तब पूज्य महाराज श्री ने, श्री अमृतवाणी का पाठ अपनी कुटिया के बाहर साप्ताहिक पाठ (सायं 4 से 5 बजे) शुरू किया। कभी कभी मनु मन्दिर (मनाली गांव) व मामी जी के शनाग वाले पुराने घर में भी श्री अमृतवाणी का पाठ करते थे। जब महाराज श्री अपनी साधना की चरम सीमा पर थे तो बाहरी प्रांतों से बहुत साधक आने लगे जिसके कारण वह स्थान भी छोटा पड़ने लगा। मनाली में 5 वर्षों की तपस्या के बाद महाराज श्री को श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट की ओर से 9 दिसंबर 1993 को गुरु पद प्रदान किया व उनका तिलक समारोह सम्पन्न हुआ।

पूज्य महाराज श्री को मनाली से बहुत प्रेम था इसलिए वे हर साल लगभग एक माह के लिए मनाली प्रवास पर आते रहे। पूज्य महाराज श्री के गुरु पद संभालने के पश्चात तो मानो राम—नाम की बाढ़ सी आ गई। मनाली गांव व शनाग गांव में तकरीबन हर घर से लोगों ने दीक्षा ली व अन्य स्थानों के लोगों ने भी दीक्षा लेनी प्रारम्भ की। साधकों की संख्या में एकाएक बहुत बढ़ोतरी होने लगी जिससे वह स्थान भी बहुत छोटा पड़ने लगा।

तब पूज्य महाराज श्री ने श्री रामशरणम् बनाने की इच्छा प्रकट की। कुटिया वाली ज़मीन श्री रामशरणम् के लिए, श्री रामशरणम् सोसायटी मनाली के नाम पर, श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट व साधकों के यथासम्भव सहयोग से खरीदी गई। पूज्य महाराज श्री की आज्ञा अनुसार श्री रामशरणम् का नक्शा पहाड़ी शैली में तैयार किया गया। इस तपोस्थली पर भव्य श्री रामशरणम् के निर्माण की स्वीकृति मिली। श्री रामशरणम् का विधिवत् शिलान्यास 30 अक्टूबर 1997 तदनुसार कार्तिक 14 विक्रमी सम्बत्

2054 गुरुवार को परम श्रद्धेय डॉ विश्वामित्र जी महाराज के कर कमलों द्वारा दीपावली के दिन किया गया। जो लगभग 19 माह में बन कर तैयार हुआ, जिसका विधिवत उद्घाटन 16 जून 1999 तदनुसार 2 प्रविष्टे आषाढ़ विक्रमी सम्बत् 2056 बुधवार के शुभ दिन को पूज्य महाराज श्री के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। श्री रामशरणम् के अनुरूप ही सत्संग हॉल में श्री अधिष्ठान जी की स्थापना की गई। उद्घाटन दिवस के दिन, हवन के दौरान पूज्य महाराज श्री स्वयं पूरे समय उपस्थित रहे व अपने करकमलों से हवन में पूरे आनन्द व भाव—चाव से आहुतियाँ दीं। उसके बाद प्रीति भोज हुआ जिसमें हज़ारों की संख्या में लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

पूज्य महाराज श्री के मनाली प्रवास के दौरान प्रतिदिन सायं 4 से 5 बजे तक श्री अमृतवाणी का पुण्य पाठ होता था और साल के बाकी समय सत्संग साप्ताहिक होता था। कुछ समय पश्चात् पूज्य महाराज श्री ने सत्संग प्रतिदिन करने का निर्देश दिया। पूज्य महाराज श्री ने 2007 बिलासपुर साधना सत्संग के दौरान सत्संग के समय को प्रतिदिन प्रातः 7 से 8 बजे निर्धारित किया।

पूज्य महाराज श्री को मनाली से बहुत प्रेम रहा व महाराज श्री ने मनाली में खुले सत्संग की आज्ञा दी। खुले सत्संग की तिथि 14—16 जून निर्धारित की गई। बीच में एक बार अगस्त के लिए तिथि बदली लेकिन बरसात के कारण रास्ते बंद हो गए। तब से महाराज श्री ने जून में ही सत्संग करने की आज्ञा दी। महाराज श्री ने इसी तपोस्थली पर बहुत से लेखन कार्य किए। श्री अमृतवाणी पाठ की व्याख्या अपनी कुटिया में की है। ■

## विभिन्न केन्द्रों पर सम्पन्न कार्यक्रम अक्तूबर से दिसम्बर 2021

- **लखनऊ**, उत्तरप्रदेश में 1 अक्तूबर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 13 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **इन्दौर**, मध्य प्रदेश में 3 अक्तूबर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 335 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **मनाली**, हिमाचल प्रदेश में 22 अक्तूबर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 36 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **चण्डीगढ़** में 7 नवम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 44 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **फाज़लपुर**, कपूरथला पंजाब में 20 से 21 नवम्बर खुले सत्संग का आयोजन हुआ जिसमें 15 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **होशंगाबाद**, मध्यप्रदेश में 7 से 8 दिसम्बर को अखण्ड जाप का और 8 से 9 दिसम्बर तक अखण्ड श्री रामायण पाठ का आयोजन हुआ। 9 दिसम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद 526 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।
- **उज्जैन**, मध्यप्रदेश में 26 दिसम्बर को विशेष अमृतवाणी संकीर्तन एवं प्रवचन के बाद नाम दीक्षा हुई।
- **दिल्ली श्रीरामशरणम्** में अक्तूबर, नवम्बर, दिसम्बर में 60 व्यक्तियों ने नाम दीक्षा ग्रहण की।

### निर्माणाधीन श्रीरामशरणम् की प्रगति

- **धारीवाल**, पंजाब में 24 दिसम्बर को नवनिर्मित श्रीरामशरणम् का उद्घाटन हुआ जिसके बाद नाम दीक्षा का कार्यक्रम भी हुआ।
- **तारागढ़**, पंजाब में श्रीरामशरणम् का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। लगभग दो महीने में पूरा होने की आशा है। ■

### Online Programmes held between 21 September 21 – 9 December 2021

With the Grace of Param Pujniya Gurujans, online Satsangs have been broadcast regularly via Shree Ram Sharnam's Official Face Book and YouTube channels. Shree Ram Sharnam, Delhi also has a presence on Instagram and Twitter.

Daily Satsang has been attended by 3436 sadhaks on average and Sunday satsangs by 4746 sadhaks. Special programmes have also been enthusiastically attended online. Avtaran Divas of Param Pujniya Prem Ji Maharaj on 2 October was attended by 4500 sadhaks on YouTube and 8500 on Facebook. The Deepawali Satsang on 4 November was attended by 4,300. On 13 November, the Nirvan Divas of Param Pujniya Swami Ji Maharaj was attended by 3,785 on Facebook and 2,276 on YouTube. The programme for the Tilak Divas of Param Pujniya Maharaji, 9 December was attended by 20,000 in morning and 4500 in evening.

Forthcoming programme in December 2021: Akhand Ramayan Paath will be broadcast on 31 December and will conclude on 1 January 2022. ■

OPEN SATSANG 2022		
Jhabua	16 to 18 January	Sunday to Tuesday
Pilibanga	29 to 30 January	Saturday to Sunday
Bilaspur	11 to 13 February	Friday to Sunday
Sirsa	26 to 27 February	Saturday to Sunday
Hoshiarpur	6 Mar	Sunday
Jabalpur, M.P.	12 to 13 March	Saturday to Sunday
Delhi (Akhand Ramayan)	15 to 16 March	Tuesday to Wednesday
Delhi	16 to 18 March	Wednesday to Friday
Hisar	26 to 27 March	Saturday to Sunday
Jhabua (Maun Sadhna)	1 to 10 April	Friday to Sunday
Bhareri	24 Apr	Sunday
Ratangarh	30 April 1 May	Saturday to Sunday
Kandaghat	8 May	Sunday
Manali	14 to 16 June	Tuesday to Thursday
Delhi	27 to 29 July	Wednesday to Friday
Rohtak	13 to 14 August	Saturday to Sunday
Rewari	3 to 4 September	Saturday to Sunday
Gurdaspur	7 to 9 October	Friday to Sunday
Pathankot	15 to 16 October	Saturday to Sunday
Jammu	28 to 30 October	Friday to Sunday

Fazalpur	19 to 20 November	Saturday to Sunday
Sujanpur	25 to 27 November	Friday to Sunday
Alampur	4 Dec	Sunday
Bhiwani	10 to 11 December	Saturday to Sunday
Surat	17 to 18 December	Saturday to Sunday

SADHNA SATSANG 2022		
Indore	7 to 10 January	Friday to Monday
Hansi	4 to 7 February	Friday to Monday
Haridwar	12 to 17 April	Tuesday to Sunday
Haridwar (Only for Jhabua Sadhaks)	10 to 13 May	Tuesday to Friday
Haridwar (Only for Jhabua Sadhaks)	15 to 18 May	Sunday to Wednesday
Haridwar	30 June to 3rd July	Thursday to Sunday
Haridwar	8 to 13 July	Friday to Wednesday
Haridwar (Ramayani Satsang)	25 Sept to 4 Oct	Sunday to Tuesday
Haridwar	11 to 14 November	Friday to Monday

Please Note : Programmes will depend upon the Covid-19 situation.

**DIKSHA IN OTHER CENTRES 2022**

Indore, MP	Sunday	9 Jan
Jhabua, MP	Sunday	16 Jan
Faridabad	Wednesday	26 Jan
Pilibanga, Rajasthan	Sunday	30 Jan
Hansi, Haryana	Sunday	6 Feb
Bilaspur, HP	Sunday	13 Feb
Sirsa, Haryana	Sunday	27 Feb
Hoshiarpur, Punjab	Sunday	6 Mar
Jabalpur, MP	Sunday	13 Mar
Hisar, Haryana	Sunday	27 Mar
Bhareri, HP	Sunday	24 Apr
Rattangarh, Rajasthan	Sunday	1 May
Kandaghat, HP	Sunday	8 May
Manali, HP	Thursday	16 Jun
Rohtak, Haryana	Sunday	14 Aug
Rewari, Haryana	Sunday	4 Sep
Gurdaspur, Punjab	Sunday	9 Oct
Pathankot, Punjab	Sunday	16 Oct
Jammu, J&K	Sunday	30 Oct
Fazalpur, Punjab	Sunday	20 Nov
Sujanpur, Punjab	Sunday	27 Nov
Alampur, HP	Sunday	4 Dec
Bhiwani, Haryana	Sunday	11 Dec
Surat, Gujrat	Sunday	18 Dec

**DIKSHA IN SHREE RAM SHARNAM DELHI**

Jan	2	Sunday
Feb	20	Sunday
March	20	Sunday
April	10	Sunday
May	29	Sunday
July	13	Wednesday
August	21	Sunday
September	11	Sunday
October	23	Sunday
November	20	Sunday
December	25	Sunday

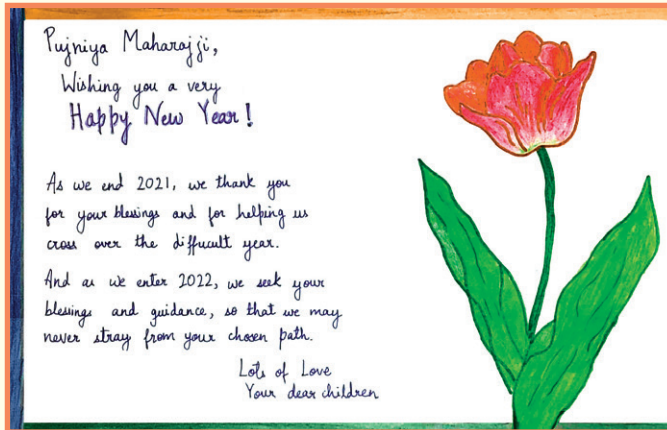
**POORNIMA - 2022**

January	17	Monday
Feb	16	Wednesday
March	18	Friday
April	16	Saturday
May	16	Monday
June	14	Tuesday
July	13	Wednesday
August	12	Friday
September	10	Saturday
October	9	Sunday
November	8	Tuesday
December	8	Thursday

Satsang at Chambhi, H.P.  
22 May. 10 am to 11.30 am.  
11:30 am Diksha

Please Note : Programmes will depend upon the Covid-19 situation.





Download Images for colouring - click on the given link below  
 Image 1 - [http://www.ibiblio.org/ram/satya\\_sahitya/Rama5.jpg](http://www.ibiblio.org/ram/satya_sahitya/Rama5.jpg)  
 Image 2 - [http://www.ibiblio.org/ram/satya\\_sahitya/Rama6.jpg](http://www.ibiblio.org/ram/satya_sahitya/Rama6.jpg)  
 Image 3 - [http://www.ibiblio.org/ram/satya\\_sahitya/Rama7.jpg](http://www.ibiblio.org/ram/satya_sahitya/Rama7.jpg)

Dear Children,

You are invited to colour the picture which is in the link below and submit it by 1 February 2022. The best pictures will be published in the April issue of *Satya Sahitya*. Please note the following:

1. Please do not write your name on the picture. Please write your name and address at the back of the picture. No names will be published.
2. Please note that pictures will not be returned and all entries will be reviewed.
3. Please WhatsApp your colored picture to either of the following phone numbers +91-8360781858 or +61-450173196. You could also post it to Shree Ram Sharnam, 8A Ring Road, Lajpat Nagar IV, New Delhi 110024, India.
4. If sending by WhatsApp, please take a photograph of your picture without flash and in proper lighting, so that the picture quality is good.

We look forward to receiving your colourings. ■

यदि आप 'सत्य साहित्य' की इस प्रति को नहीं रखना चाहते,  
तो कृपया इसे अपने स्थानीय केन्द्र या निकटतम श्रीरामशरणम् को लौटा दें।

प्रकाशक मुद्रक श्री अनिल दीवान द्वारा श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, 8 ए रिंग रोड, लाजपत नगर-IV नई दिल्ली. 110024 से प्रकाशित एवं रेव स्कैनस प्राइवेट लिमिटेड, 216, सेक्टर-4, आई.एम.टी. मानेसर, गुरुग्राम, हरियाणा-122051 से मुद्रित। संपादक: मेधा मलिक कुदेसिया एवम् मालविका राय

Publisher and printer Shri Anil Dewan for Shree Swami Satyanand Dharmarth Trust, 8-A Ring Road, Lajpat Nagar IV, New Delhi 110024 and printed at Rave Scans Private Limited, 216, Sector-4, IMT Manesar, Gurugram, Haryana-122051. Editors: Medha Malik Kudaisya and Malvika Rai.

©श्री स्वामी सत्यानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट, नई दिल्ली

ईमेल: [shreeramsharnam@hotmail.com](mailto:shreeramsharnam@hotmail.com)

वेबसाइट: [www.shreeramsharnam.org](http://www.shreeramsharnam.org)

